

सुखाड़ नदी में उफान, बाढ़ के रौद्र रूप से थर्राया ब्यौहारी

5 लोगों को रेस्क्यू कर सुरक्षित निकाला**बाणसागर के 6 गेट खुले; 10 गांवों पर संकट**

शहडोल। जिले में लगातार जारी भारी बारिश के बीच ब्यौहारी क्षेत्र से एक बेहद संवेदनशील और दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। उफनती सुखाड़ नदी के प्रचंड बहाव में अचानक 6 लोग फंस गए, जिसके बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन, पुलिस और एसडीआरएफ की टीमों ने तत्परता दिखाते हुए देवदूत बनकर मोर्चा संभाल लिया। घंटों चले इस जानलेवा रेस्क्यू ऑपरेशन में बचाव दल ने साहसिक प्रयास करते हुए 5 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है, जबकि 1 फंसे व्यक्ति को बचाने के लिए आफत की धार के बीच एसडीआरएफ का रेस्क्यू ऑपरेशन अब भी जारी है। दूसरी ओर, ऊपरी इलाकों में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के चलते विशाल बाणसागर बांध लबालब भर गया है, जिसके चलते बांध के 6 रैंडियल गेट खोलकर सोन नदी में 2454 क्यूमेक्स जल छोड़ा जा रहा है। इस जलप्रलय की स्थिति को देखते हुए ब्यौहारी के 10 तटीय गांवों में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है।

उफनती नदी के बीच फंसी सांसें

ब्यौहारी के सुखाड़ नदी में पानी का जलस्तर अचानक इतनी तेजी से बढ़ा कि वहां मौजूद 6 लोग



सुरक्षित किनारे तक पहुंचने से पहले ही चारों तरफ से उफनती धार के बीच फंस गए। देखते ही देखते नदी का रौद्र रूप देखकर पीड़ितों की सांसें अटक गईं और किनारे पर मौजूद ग्रामीणों के हाथ-पांव फूल गए। मामले की सूचना तुरंत प्रशासन को दी गई। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व ब्यौहारी सुश्री अर्चना मिश्रा के नेतृत्व में प्रशासनिक और पुलिस अमला बिना एक पल गंवाए राहत व बचाव सामग्री के साथ मौके पर पहुंचा।

5 ज़िंदगियों को मिला नया जीवन

रेस्क्यू टीम ने अपनी जान पर खेलकर तेज बहाव और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का मुकाबला किया। रस्सियों और बोट की मदद से एसडीआरएफ के जवानों ने घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद 5 लोगों को नदी के बीच से सफुशल निकालकर किनारे पहुंचाया। जब 5

लोग सुरक्षित बाहर आए, तब मौके पर मौजूद परिजनों और अधिकारियों ने राहत की सांस ली। हालांकि, नदी के बीच अभी भी 1 व्यक्ति फंसा हुआ है, जिसे सुरक्षित निकालने के लिए तेज बहाव के बीच जवान रात-दिन एक किए हुए हैं। रेस्क्यू टीम का कहना है कि परिस्थितियों के अनुकूल होते ही अंतिम व्यक्ति को भी बाहर निकाल लिया जाएगा।

पल-पल की निगरानी

ब्यौहारी में चल रहे इस सबसे बड़े रेस्क्यू ऑपरेशन पर जिला मुख्यालय से आला अधिकारियों की पैनी नजर बनी हुई है। कलेक्टर पार्थ जायसवाल, पुलिस अधीक्षक संजय अग्रवाल और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी स्वयं कंट्रोल रूम और मैदानी टीम के माध्यम से क्षण-प्रतिक्षण की रिपोर्ट ले

रहे हैं। अधिकारियों ने मौके पर तैनात टीम को हर आवश्यक संसाधन और दिशा-निर्देश तुरंत मुहैया कराने के आदेश दिए हैं।

बाणसागर बांध के 6 रैंडियल गेट खुले

कैचमेंट एरिया में हो रही लगातार बारिश के कारण बाणसागर जलाशय का जलस्तर रविवार सुबह 341.58 मीटर तक पहुंच गया। यह बांध के पूर्ण जल भराव स्तर (341.64 मीटर) से महज 0.06 मीटर कम रह गया था। बांध को सुरक्षित रखने और जलस्तर को नियंत्रित करने के लिए जल संसाधन विभाग ने आज दोपहर 12 बजे बाणसागर बांध के 6 रैंडियल गेट 2-2 मीटर तक खोल दिए। इन गेटों के जरिए स्पिलवे से लगभग 2454 क्यूमेक्स पानी पूरी गति से सोन नदी में प्रवाहित किया जा रहा है। नदी में पानी छोड़ते ही तटीय इलाकों में बाढ़ का खतरा अचानक बढ़ गया है।

कजलियों की हरितिमा में गूंजा भाईचारे का संदेश

**जयसिंहनगर में निकली श्रीकृष्ण-बलभद्र-सुभद्रा की भव्य रथ यात्रा**

जयसिंहनगर। लोक परंपरा, आस्था, संस्कृति और सामाजिक समरसता के अनुपम संगम का साक्षी बना जयसिंहनगर नगर। कजलियां पर्व के पावन अवसर पर ब्राह्मण समाज के तत्वावधान एवं ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष तथा सेवानिवृत्त प्राचार्य सनत पांडेय जी की अध्यक्षता में भव्य धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन किया गया। श्रीकृष्ण, बलभद्र एवं सुभद्रा जी की मनोहारी झांकी से सुसज्जित रथ यात्रा ने नगर की फिजाओं में भक्ति, उल्लास और भाईचारे का रंग घोल दिया। रथ यात्रा में नगर के विभिन्न वार्डों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। आयोजन की शुरुआत दुर्गा मंदिर वाई क्रमांक 07 में श्रद्धालुओं के लिए ब्राह्मण समाज द्वारा खीर के वृद्ध प्रसाद वितरण से हुई। श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर भगवान के प्रति अपनी श्रद्धा अर्पित की। इसके पश्चात भगवान श्रीकृष्ण, बलभद्र एवं सुभद्रा जी की भव्य झांकी से सुसज्जित रथ को विधिवत पूजन-अर्चना के बाद यात्रा के लिए रवाना किया गया।

भक्ति और उल्लास के बीच निकली रथ यात्रा

दुर्गा मंदिर से प्रारंभ हुई रथ यात्रा बस स्टैंड स्थित प्राचीन शिव मंदिर, रींचा रोड एवं बंधा बाजार होते हुए ऐतिहासिक जनता सागर बांध पहुंची। यात्रा के दौरान डीजे की धार्मिक एवं भक्ति धुनों पर श्रद्धालु नाचते-गाते और जयकारे लगाते हुए आगे बढ़ते रहे। नगर के विभिन्न वार्डों से माताओं-बहनों, बहन-बेटियों तथा नागरिकों ने बड़ी संख्या में सहभागिता कर आयोजन को भव्य स्वरूप प्रदान किया। जनता सागर बांध पहुंचने पर कजलियां पर्व की पारंपरिक रस्म पूरी की गई। माताओं एवं बहनों ने श्रद्धा और उल्लास के साथ खुजुल-कजलियां प्रवाहित कीं। नगर के गणमान्य नागरिकों सहित सभी वर्गों की सहभागिता ने आयोजन को सामाजिक एकता और सौहार्द का स्वरूप प्रदान किया। कजलियों के विसर्जन के दौरान श्रद्धा, लोक संस्कृति और पारंपरिक रीति-रिवाजों का मनोहारी दृश्य देखने को मिला।

प्रशासन की व्यवस्था रही सराहनीय

हजारों श्रद्धालुओं की मौजूदगी को देखते हुए पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा एवं यातायात की समुचित व्यवस्था की गई। थाना प्रमारी अजय कुमार बैगा अपनी पुलिस टीम के साथ पूरे समय आयोजन स्थल एवं रथ यात्रा के साथ मौजूद रहे। तहसीलदार की उपस्थिति में प्रशासनिक रथले में भी व्यवस्थाओं पर नजर बनाए रखी। शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में आयोजन संपन्न होने पर आयोजकों एवं नागरिकों ने प्रशासन की व्यवस्थाओं की सराहना की।

ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष सनत पांडेय जी के जन्मदिन पर हुआ विशेष आयोजन

रथ यात्रा के पश्चात श्रद्धालु पुनः दुर्गा मंदिर पहुंचे। जहां सनत पांडेय जी के जन्मदिन के अवसर पर मां आदि शक्ति जगत जननी जगदंबा की विधिवत पूजा-अर्चना की गई तथा सभी ने उनके स्वस्थ, सुखद एवं दीर्घायु जीवन की मंगलकामना की। इसके उपरांत संध्या आरती के पश्चात शारदा प्रसाद द्विवेदी ने अपनी संगीत मंडली के साथ जन्मदिन के अवसर पर बधाई गीतों की मनोहारी प्रस्तुति दी। भक्ति और संगीत से सराबोर वातावरण में समाज के सदस्यों एवं उपस्थित गणमान्य नागरिकों ने केक काटकर सनत पांडेय जी का जन्मदिन मनाया तथा उन्हें आत्मीय शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

सामाजिक एकता और समरसता का दिया संदेश

इस अवसर पर उपस्थित वक्ताओं एवं समाजजनों ने कहा कि कजलियां पर्व केवल एक पारंपरिक पर्व नहीं, बल्कि आपसी प्रेम, भाईचारे, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक विरासत को सहेजने का पर्व है। जयसिंहनगर में आयोजित इस भव्य रथ यात्रा ने लोक संस्कृति एवं धार्मिक परंपराओं के संरक्षण के साथ सामाजिक सौहार्द की मजबूत मिसाल प्रस्तुत की। समाज सेवी एवं मिश्रा फल भंडार जयसिंहनगर के सौजन्य से बंधाबाजार में समस्त श्रद्धालुओं केला वितरित किया गया। आयोजन में रामनिवास पयसी, सेवानिवृत्त शिक्षक परशुराम द्विवेदी, पं. अटल बिहारी वाजपेयी महाविद्यालय जयसिंहनगर के प्राचार्य धर्मेन्द्र द्विवेदी, रोहणी प्रसाद शुक्ला, नगर परिषद उपाध्यक्ष संपत मिश्रा, भाजपा मंडल जयसिंहनगर अध्यक्ष जय श्री कचेर, भाजपा जिला कार्यसमिति सदस्य राजेश द्विवेदी, भाजपा जिला कार्यसमिति सदस्य एवं वनोपज समिति उपाध्यक्ष रामनारायण पांडेय, सांसद प्रतिनिधि रावेद शर्मा, पूर्व मंडल अध्यक्ष भाजपा दीपक गुप्ता, पार्षद नीरज शर्मा, पार्षद दिवाकर पय पत्तार दिनेश पयसी, दीपक पयसी, निर्मल द्विवेदी, विजय दुबे, सी.एल. त्रिपाठी, ओमप्रकाश शुक्ला एडवोकेट, पंकज पाण्डेय, मनोज द्विवेदी एवं ओमप्रकाश शुक्ला सहित बड़ी संख्या में ब्राह्मण समाज के सदस्य, नगर के गणमान्य नागरिक एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। समूचा आयोजन भक्ति, लोक आदि, सांस्कृतिक परंपरा और सामाजिक सौहार्द की ऐसी जीवंत तस्वीर प्रस्तुत कर गया, जिसमें जयसिंहनगर की सामाजिक संस्कृति और आपसी भाईचारे की झलक स्पष्ट दिखाई दी।

इंटर-डिस्ट्रिक्ट ओपन टूर्नामेंट के लिए 20 सदस्यीय जूनियर गर्ल्स टीम रवाना

शहडोल। फुटबॉल के मैदान पर शहडोल की बेटियां एक बार फिर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने को तैयार हैं। रिलायंस फाउंडेशन फुटबॉल ट्रेनिंग सेंटर 16 एवं विचारपुर की 4 कुल 20 सदस्यीय जूनियर गर्ल्स टीम रविवार को इंटर-डिस्ट्रिक्ट ओपन फुटबॉल टूर्नामेंट में सहभागिता के लिए महु रवाना हुई। प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाली खिलाड़ियों के पास मध्य प्रदेश टीम में चयन के जरिए राष्ट्रीय स्तर पर खेलने का अवसर रहेगा।

कोच यशोदा सिंह एवं मैनेजर सीताराम सहिस के नेतृत्व में टीम बस से महु के लिए रवाना हुई। इस अवसर पर जिला फुटबॉल संघ के कार्यकारी अध्यक्ष मोहम्मद जकरिया, सचिव रईस अहमद, रिलायंस सीबीएम प्रोजेक्ट के सीएसआर हेड राजीव श्रीवास्तव, खेल समन्वयक अश्वनी शर्मा, डीएफए शहडोल के उपाध्यक्ष एस.आर. मोहंती, कोषाध्यक्ष अनिल सिंह, एवं खिलाड़ियों के अभिभावकों ने खिलाड़ियों से मुलाकात कर उन्हें शुभकामनाएं दीं और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया।

वहीं, जिला फुटबॉल संघ शहडोल की संरक्षक एवं जयसिंहनगर विधायक मनीषा सिंह, अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह छावड़ा, उपाध्यक्ष अजय विजारा, शमीम खान एवं बालाकृष्ण बंगारी, फुटबॉल कोच शंकर दाहिया, लक्ष्मी सहसी ने भी टीम की खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए

महु (इंदौर) में शहडोल की बेटियां दिखाएंगी फुटबॉल का दम

प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन की कामना की।

जिला फुटबॉल संघ के सचिव रईस अहमद ने बताया कि प्रतियोगिता का आयोजन ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन के मार्गदर्शन में मध्य प्रदेश फुटबॉल एसोसिएशन द्वारा जिला फुटबॉल संघ इंदौर के माध्यम से 31 अगस्त से 4 सितंबर तक महु में किया जा रहा है। प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश की छह चयनित टीमों—इंदौर, धार, मुरैना, ग्वालियर, रायसेन एवं शहडोल—हिस्सा ले रही हैं। प्रतियोगिता का फाइनल 4 सितंबर को होगा। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर मध्य प्रदेश टीम के लिए चयन किया जाएगा। चयनित खिलाड़ी आगे राष्ट्रीय प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगी।

तेज बहाव में लकड़ियां बीनने और बाइक निकालने की होड़ सोशल मीडिया पर वायरल हुआ खतरनाक वीडियो

शहडोल। जिले में लगातार रुक-रुककर हो रही आफत की बारिश ने नदी-नालों को खतरने के निशान से ऊपर पहुंचा दिया है। जैतपुर थाना क्षेत्र में हालात बेहद चिंताजनक हो चुके हैं, जहां कई रपटा पुलों के ऊपर से पानी की तेज धार बह रही है। इसके बावजूद, स्थानीय लोग और राहगीर अपनी जान की परवाह किए बिना बाढ़ के बीच उतरकर मोत का खेल खेलते नजर आ रहे हैं। कोई बहकर आ रही लकड़ियों को बटोरने के लिए तेज धार में उतर रहा है, तो कोई बाइक लेकर उफनती नदी के ऊपर से पुल पार करने का दुस्साहस कर रहा है। जिंदगी से खिलवाड़ का यह बेहद खतरनाक वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

रसमोहनी पुल पर ज़िंदगी से खिलवाड़

वायरल वीडियो जैतपुर थाना क्षेत्र के रसमोहनी स्थित कुनुक नदी पुल का बताया जा रहा है। नदी का जलस्तर बढ़ने से पानी पुल के ऊपर से बह रहा है और आसपास के दर्जनों गांवों का संपर्क जिला मुख्यालय से पूरी तरह कट चुका है, लेकिन खौफ के इस मंजर के बीच भी लोग लापरवाही की सारी हद्द पार कर रहे हैं। वीडियो में साफ दिख रहा है कि जिस जगह पानी का वेग इतना तेज है कि ईंसान तो क्या, बड़ी गाड़ियां भी पलभर में बह जाएं, वहां लोग लकड़ियों को निकालने के लिए तेज बहाव के मुहाने तक पहुंच रहे हैं। जरा सा संतुलन बिगड़ते ही ईंसान सीधे जलसमाधि लेने को मजबूर हो सकता है।

पानी से ढके रपटे पर बाइक चलाने का जोखिम

इतना ही नहीं, कई राहगीर पानी में डूबे रपटा पुलों से जबर्न अपनी मोटरसाइकिलें निकालने की कोशिश करते दिखाई दे रहे हैं। पानी की गहराई और अदृश्य गड्ढों



का अंदाज़ा लगाए बिना, जलभराव के बीच से गाड़ियां निकालने की यह होड़ बेहद जानलेवा साबित हो सकती है। पैर फिसलते ही व्यक्ति और बाइक दोनों पलक झपकते ओझल हो सकते हैं।

पुलिस तैनात, लेकिन जारी है लापरवाही

जैतपुर थाना क्षेत्र में करीब तीन से अधिक रपटा पुलों के ऊपर पानी बह रहा है। प्रशासन का दावा है कि बाढ़ प्रभावित और संवेदनशील इलाकों में पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है और रपटों से आवागमन पूरी तरह बंद करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके बावजूद पुलिस की आंखों में धूल झोंककर और बैरिकेडिंग को धता बताकर लोग अपनी जान जोखिम में डाल रहे हैं।

चंद मिनटों के लिए दांव पर न लगाएं ज़िंदगी

जलस्तर में लगातार हो रही बढ़ोतरी को देखते हुए जिला प्रशासन और पुलिस ने आम जनता से बेहद सतर्क रहने की अपील की है। अधिकारियों ने कहा है कि उफनती नदियों, नालों और रपटों के करीब जाना या उन्हें पार करने का प्रयास करना पूरी तरह प्रतिबंधित है। चंद लकड़ियां बीनने या कुछ मिनट बचाने के चक्कर में उठाय गया यह आत्मघाती कदम जिंदगी भर का मातम बन सकता है। प्रशासन ने लोगों से जलभराव वाले रास्तों से दूर रहने और सुरक्षित स्थानों पर बने रहने का आग्रह किया है।

इनका कहना है...

बारिश के चलते कुछ जगहों पर छोटे-छोटे रपटा पुलिया के ऊपर से पानी बह रहा था, जहां एहतियातान पुलिसकर्मी तैनात किया गया है, बाकी स्थित सामान्य है।

समीर खान

थाना प्रभारी, जैतपुर

गलहथा में सड़क बढहाल, ट्रैक्टर भी फंसे, ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

शहडोल। जिले के जैतपुर जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत गलहथा के वार्ड क्रमांक 13 और 14 को जोड़ने वाला मुख्य पहुंच मार्ग आफत की बारिश के बाद पूरी तरह ध्वस्त हो चुका है। बबल पलिहा के घर से लेकर सोनई गोंड के घर तक जाने वाला यह करीब आधा किलोमीटर लंबा रास्ता अब सड़क कम और कीचड़ का दलदल ज्यादा नजर आ रहा है। हालात इतने खतरनाक हो चुके हैं कि इस रास्ते पर पैदल चलना भी अपनी जान जोखिम में डालने के बराबर है।

लगातार हो रही बारिश ने इस रास्ते की बची-कुची कसर भी पूरी कर दी है। जगह-जगह बने गहरे गड्ढों में लबालब पानी भरा हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क की रंगत इतनी बिगड़ चुकी है कि जहां कभी दोपहिया गाड़ियां फर्यादा भरती थीं, वहां अब खेतों में काम आने वाले भारी-भरकम ट्रैक्टर तक कीचड़ में फंसकर हाफ रहे हैं। इस

बढहाली का सबसे दर्दनाक असर स्कूली बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों पर पड़ रहा है। कीचड़ और फिसलन के कारण दोपहिया वाहन चालकों के फिसलकर चोटिल होने का खतरा हर पल बना रहता है। दैनिक कामकाज के लिए निकलने वाले लोग हर दिन हादसों को न्यूता देकर इस रास्ते से गुजरने को मजबूर हैं।

स्थानीय निवासियों का आरोप है कि इस मार्ग की दुर्दशा को लेकर कई बार ग्राम पंचायत से लेकर जनपद के जिम्मेदारों तक गुहार लगाई जा चुकी है। लेकिन हर बार ग्रामीणों को सिर्फ खोलखल आश्वासन ही नसीब हुए। हर साल बारिश में पूरा गांव इस नारकीय स्थिति को झेलता है, लेकिन प्रशासनिक सुस्ती के कारण आज तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला जा सका।

वार्ड 13 और 14 के बीच आवागमन का एकमात्र जरिया होने के कारण इस रास्ते से



आवश्यक सामान और निर्माण सामग्री लाना भी पूरी तरह ठप हो गया है। परेशान ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि तत्काल मौके का निरीक्षण कर सड़क पर मुरम व मलबा डलवाया जाए ताकि आवागमन शुरू हो सके। बारिश खत्म होते ही इस पहुंच मार्ग का स्थायी व पक्का निर्माण कराया जाए। ग्रामीणों ने साफ चेताया है कि यदि जल्द ही सड़क को चलने लायक नहीं बनाया गया, तो वे उग्र प्रदर्शन करने पर मजबूर होंगे।

कुएं में मिला 48 वर्षीय दयाराम का शव, पुलिस जांच में जुटी

हुआ है। पुलिस हर पहलु को ध्यान में रखकर गहराई से तपतीश कर रही है। परिजनों और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं, ताकि मौत की वास्तविक वजह सामने आ सके।

ब्यौहारी के 10 गांवों में अलर्ट जारी

बाणसागर बांध के गेट खोले जाने और सोन नदी के तेजी से बढ़ते जलस्तर को देखते हुए बाणसागर बांध के कार्यपालन यंत्री ने ब्यौहारी क्षेत्र के 10 संवेदनशील गांवों के लिए एडवाइजरी जारी की है।

इन 10 गांवों में अलर्ट जारी

1. ग़ाम ओदारी
2. ग़ाम रीहा
3. ग़ाम पबेह
4. ग़ाम उजराबरा
5. ग़ाम चमुहा
6. ग़ाम विजयसोता
7. ग़ाम तेंदुहा
8. ग़ाम जमुनी
9. ग़ाम चितरासी
10. ग़ाम हरतला

प्रशासन ने इन सभी गांवों के निवासियों से नदी और नालों के करीब न जाने, निचले इलाकों को खाली कर सुरक्षित स्थानों पर शरण लेने और जल संसाधन विभाग के दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन करने की अपील की है। मैदानी अमले को 24 घंटे अलर्ट मोड पर रखा गया है।

छात्राओं से छेड़खानी व अभद्रता के आरोप में सहायक शिक्षक निलंबित

मानपुर। शिक्षासखंड स्थित शासकीय प्राथमिक शाला सुल्तानपुर के सहायक शिक्षक कोमलचंद गुप्ता को छात्राओं से छेड़खानी एवं अभद्रता के मामले में तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा सहायक शिक्षक को निलंबित करते हुए उनका मुख्यालय बीईओ कार्यालय मानपुर नियत किया गया है। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय के निर्देश पर शिक्षक के विरुद्ध जांच की गई। जांच में में शिक्षक पर लगाए गए आरोप सही पाए गए तत्पश्चात थाना इंदवार में शिक्षक के विरुद्ध एफआईआर भी दर्ज कराई गई है।

महाविद्यालय में स्वास्थ्य परीक्षण आज
उमरिया। उमंग उच्च शिक्षा हेल्थ एंड वेलनेस कार्यक्रम के तहत छात्र-छात्राओ के स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श प्रदाय किए जाने हेतु कार्यक्रम प्रधानमंत्री एक्सीलेंस शासकीय आर.व्ही.पी.एस. महाविद्यालय में 31 अगस्त को सुबह 10.30 बजे से आयोजित किया गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा व्ही एस चंदेल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु चिकित्सा अधिकारी, सी एच ओ, नेत्र सहायक, ए एन एम, काउंसलर आर के एस के, सपोर्ट स्टॉफ की ड्युटी लगाई है। अधिकारी, कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है कि उक्तस्थल पर छात्र छात्राओ को आवश्यक सामग्री, उपकरण एवं औषधि के साथ शिविर स्थल में स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाना सुनिश्चित करें।

संतान की सुख स्मृद्धि के लिए आन रेखर्गी माताएं बहुला चौथ व्रत
कोतमा। हिंदू धर्म में बहुला चतुर्थी व्रत का विशेष महत्व माना जाता है। यह व्रत मुख्य रूप से भगवान श्रीगणेश को समर्पित है। धार्मिक मान्यता के अनुसार इस दिन व्रत और पूजा करने से संतान की सुख-समृद्धि, अच्छे स्वास्थ्य और लंबी आयु की कामना पूरी होती है। आज माताएं अपनी संतान के उज्ज्वल भविष्य और परिवार की सुख-शांति के लिए यह व्रत रखेंगी। इस दिन भगवान गणेश के साथ भगवान श्रीकृष्ण और गौ माता की पूजा करने की भी परंपरा है। पंडित कुंज बिहारी मिश्रा ने बताया कि वैदिक पंचांग के मुताबिक भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि की शुरुआत 31 अगस्त, सोमवार के दिन सुबह 8 बजकर 51 मिनट पर होगी। वहीं, अगले दिन यानी 1 सितंबर, मंगलवार के दिन सुबह 7 बजकर 41 मिनट तक चतुर्थी तिथि व्याप्त रहेगी। इस दिन व्रती महिलाएं बहुला चतुर्थी पर शाम को चंद्र दर्शन और चंद्रमा को अर्घ्य देने के बाद ही व्रत का पारण करती हैं। इस बार बहुला चतुर्थी पर वंदेभक्त का समय रात के 8 बजकर 28 मिनट का रहेगा। बहुला चतुर्थी को संतान की सुख-समृद्धि और लंबी आयु के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। उन्होंने बताया कि इस दिन माताएं संतान की उज्जति, अच्छे स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य की कामना से व्रत रखती हैं। भगवान गणेश को विज्जहर्ता माना गया है, इसलिए उनकी पूजा करने से जीवन के संकट और बाधाएं दूर होने की धार्मिक मान्यता है।

हलषष्ठी पर्व को लेकर तैयारी शुरू, चौक-चौराहों में हो रही पसहर चावल की बिक्री



कोतमा। हल षष्ठी एक हिंदू त्योहार है जो श्री कृष्ण के बड़े भाई भगवान बलराम को समर्पित है। इसे कई जगहों पर ललही छठ या हर छठ के नाम से भी जाना जाता है। यह त्योहार हिंदू कैलेंडर में भाद्रपद महीने के दौरान कृष्ण पक्ष के षष्ठी (छठे दिन) को मनाया जाता है। संतान की दीर्घायु को लेकर रखा जाने वाला पर्व हलषष्ठी (कमरछठ) 2 सितंबर को है। पर्व को लेकर तैयारी शुरू हो गई है। नगर के चौक-चौराहों में इन दिनों पसहर चावल की बिक्री हो रही है। पिछले साल की तुलना में इसमें 15 प्रतिशत तक की



शहडोल। विकास का ढिंढोरा पीट रहे साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड प्रबंधन की आपराधिक अनदेखी और घोर लापरवाही ने रामपुर बटुरा मेगा प्रोजेक्ट के आस-पास बसे ग्रामीण इलाकों का जीवन नारकीय बना दिया है। परियोजना के नाम पर करोड़ों की खदानें खोदकर मुनाफा कमाने में व्यस्त एसईसीएल प्रबंधन को प्रभावित ग्रामीणों की मूलभूत समस्याओं से कोई सरोकार नहीं रह गया है। नतीजतन, निर्माण कार्यों के दौरान प्राकृतिक जल निकासी के रास्तों को बेददी से बंद किए जाने के कारण ग्राम बैरिहा और बटुरा पूरी तरह जलभराव की चपेट में आ चुके हैं। पहली ही बारिश में गांव की गलियां समंदर में तब्दील हो चुकी हैं और ग्रामीणों का आक्रोश अब सड़क पर फूटने को तैयार है।

ढोला पुलिया बनी गले की फांस
स्थानीय निवासियों और ग्रामीणों के मुताबिक, प्रोजेक्ट क्षेत्र के निर्माण के दौरान कंपनी ने महज खानापूर्ति और औपचारिकता निभाने के लिए ढोला डालकर एक संकरी पुलिया का निर्माण कर दिया। यह पुलिया पानी की निकासी करने के बजाय बाढ़ को न्यौता देने का जरिया बन चुकी है। पुलिया के नीचे जल प्रवाह के लिए बेहद सीमित और अनुपयुक्त व्यवस्था की गई है, जिसके कारण बारिश का पानी रुककर वापस गांव की बस्तियों में उल्टे बहाव के साथ घुस रहा है। ग्रामीणों का सीधे तौर पर आरोप है कि एसईसीएल के अदूरदर्शी इंजीनियरों ने किसी भी वैज्ञानिक या तकनीकी अध्ययन के बिना निर्माण करा दिया। नतीजतन, पानी का तेज बहाव आगे न निकलकर आसपास के रिहायशी इलाकों



और खेतों में तबाही मचा रहा है। यदि आने वाले दिनों में मूसलाधार बारिश होती है, तो पूरा बैरिहा गांव जलसमाधि लेने को मजबूर हो जाएगा।

न बच्चे स्कूल जा पा रहे, न बुजुर्गों के लिए रास्ता सुरक्षित
प्रबंधन की इस लापरवाही का सीधा खमियाजा निर्दोष ग्रामीणों को भुगतना पड़ रहा है। सामान्य बारिश में भी सड़कें और गलियां जलमग्न हो जाती हैं। पैदल चलने वालों से लेकर दोपहिया वाहन चालकों के लिए रास्तों से गुजरना किसी जानलेवा जोखिम के कम नहीं है। सबसे दर्दनाक स्थिति स्कूली बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों की है, जो जलभराव के कारण अपने ही घरों में कैद होने को

शहडोल, उमरिया, अनूपपुर-आसपास हरिभूमि 6

एसईसीएल के कुप्रबंधन से जलमग्न हुआ बटुरा गांव, उग्र आंदोलन की चेतावनी

मेगा प्रोजेक्ट की मेगा लापरवाही



विवश हैं। गंदगी, कीचड़ और ठहरा हुआ पानी अब भयंकर बीमारियों को खुला न्यौता दे रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि विकास के नाम पर उन्हें सिर्फ जलभराव, उखड़ी सड़कें और मानसिक प्रताड़ना हासिल हुई है।

मुनाफा एसईसीएल का, तबाही ग्रामीणों की
रामपुर बटुरा मेगा प्रोजेक्ट में रोजाना करोड़ों रुपये का कोयला निकाला जा रहा है और भारी-भरकम बजट के निर्माण कार्य चल रहे हैं, लेकिन जिन ग्रामीणों की जमीन और शांत जीवन की कीमत पर यह साम्राज्य खड़ा हुआ है, उन्हें पीने के पानी और जल निकासी जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए



भी तरसाया जा रहा है। एसईसीएल प्रबंधन की इस बेरुखी और संवेदनहीनता को लेकर पूरे क्षेत्र में जबर्दस्त जनआक्रोश पनप रहा है। ग्रामीणों ने दो टूट शब्दों में कहा है कि वे विकास कार्यों के विरोधी नहीं हैं, लेकिन विकास के नाम पर उनके अस्तित्व और सुरक्षा से खिलवाड़ किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बार-बार लिखित और मौखिक शिकायतों के बावजूद एसईसीएल के आला अधिकारियों के कानों पर जूं तक नहीं रंग रही है।

प्रशासन और एसईसीएल को चेतावनी

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए ग्रामीणों ने एसईसीएल प्रबंधन और जिला प्रशासन को अंतिम चेतावनी दी है। ग्रामीणों की स्पष्ट मांगें हैं एसईसीएल

सड़कों पर मवेशियों का झुंड करते है आराम, हर समय बनी रहती है दुर्घटना की संभावना

कोतमा। नगर पालिका कोतमा के गली मोहल्ले की सड़कों में आवारा मवेशियों के सड़कों पर विचरण करने एवं बीच सड़क पर गाय बैल बछड़े के झुंड बैठे नजर आते हैं जिसके कारण वाहन चालकों को भारी समस्या का सामना करना पड़ता है। कई दुर्घटनाएं मवेशियों के सड़क में बैठने की वजह से होती हैं राष्ट्रीय राजमार्ग हाइवे में आये दिन ऐसी घटना घटित हो रही है। जिसके कारण जान तक वाहन चालकों को गवाना पड़ता है। नागरिको ने मांग करते हुए कहा कि नगर की सड़कों एवं गलियों में विचरण कर रहे आवारा मवेशियों को हांका लगवाते हुए एकड़वा कर गोशाला भेजने की कार्यवाही की जाये जिससे सड़क दुर्घटना को रोका जा सके।



मौसम के बदलते ही मरीजों की संख्या बढ़ी निजी पैथोलॉजी में जांच कराने की मजबूरी

कोतमा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोतमा में मौसम के बदलते ही मलेरिया टाइफाइड तथा बुखार के मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है जो कि प्रतिदिन चिकित्सालय पहुंच रहे हैं। जहां मरीज को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की बजाय निजी पैथोलॉजी में बीमारियों की जांच करने की मजबूरी बनी हुई है। शासन द्वारा पैथालॉजी जांच की सुविधा आम जन तक पहुंचाने के लिए निजी एजेंसियों को ठेके के आधार पर अधिकृत कर कार्य कराया जा रहा है। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कोतमा को हब एवं अधीनस्थ सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र को स्पोक बनाया गया है। स्पोक के द्वारा निर्धारित जांचें एवं सैम्पल कलेक्ट किया जाएगा। कोतमा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के लिए नियत साईंस हाऊस एजेंसी द्वारा उपलब्ध कराए गए रनर बाॅय के द्वारा सैम्पल एकत्रित कर हब तक पहुंचाया जाएगा। जहाँ



पर जांच उपरांत संबंधित तक जांच रिपोर्ट सेंटर पर या मोबाइल मैसेज के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी। शासन के द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोतमा को यह सुविधा प्रदान की गई है जिससे ग्रामीण क्षेत्र के गरीब तबके के लोगों को खून जांच के लिए प्राइवेट पैथोलॉजी में बेवजह पैसा खर्च नहीं करना पड़ेगा लेकिन

आयरन, सीबीसी, ब्लड शुगर, एचबीएससी, जीटीटी, डेंगू के लिए एनएस-1, डेंगू आईजीएम, डी-डाईमर, सीआरपी, विटामिन-डी, आरए फैक्टर, टीएसएच, टी 3, टी 4, एलएच, एफएसएच, सेरम बिलिरुबिन डाईरेक्ट एण्ड इनडाईरेक्ट, सेरम क्रिएटीनइन, सेरम यूरिक एसिड, सेरम प्रोटीन टोटल, सेरम ट्राईलिपराईड्स 34 जी-6पीडी, सेरम कोलेस्ट्रॉल, सेरम एचडीएल, सेरम एलडीएल, एसजीपीटी, एसजीओटी, चिकनगुनिया, एल्कलाइन फास्फाटस, ट्रौपोनाईन-, एएसओ, सीकेएमबी, सेरम कैल्सियम की जांच की सुविधा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोतमा मेंउपलब्ध कराई गई है। इसके बावजूद यहां पदस्थ डाक्टरों कर्मचारियों के द्वारा अपने निजी फायदे के लिए मरीज को बाजार में संचालित पैथोलॉजी केंद्र में भेजा जाता है।

दहेज प्रथा के खिलाफ नाटक और शिक्षा का संदेश,रोमी सिंह बर्नी सावन सुंदरी सावन मिलन में संस्कृति, स्नेह और एकता का दिखा संगम

अनूपपुर। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासंघ महिला शाखा जिला अनूपपुर के तत्वावधान में जिलाध्यक्ष कुमकुम सिंह बघेल के नेतृत्व में सावन मिलन उत्सव का भव्य एवं उत्साहपूर्ण आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती अनुराधा सिंह गहरवार एवं प्रदेश सचिव श्रीमती मीना सिंह के सहयोग से महिला शाखा की पदाधिकारी, सदस्यगण और बड़ी संख्या में सम्मानित अतिथियों ने सहभागिता की। सावन मिलन उत्सव में संस्कृति, स्नेह और सामाजिक एकता का सुंदर संगम देखने को मिला। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं एवं बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। रामायण की चौपाइयों के साथ विभिन्न मनोरंजक प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। उपस्थित महिलाओं ने अपनी कला और प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन कर कार्यक्रम को यादगार बना दिया। कार्यक्रम में प्रस्तुत नाटक के माध्यम से दहेज प्रथा का विरोध और शिक्षा के महत्व का संदेश दिया गया। नाटक की प्रस्तुति को उपस्थित लोगों ने खूब सराहा और तालियों से कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। आयोजन में शामिल सभी बहनों को सुंदर उपहार भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम के दौरान श्रीमती रोमी सिंह को सावन सुंदरी चुना गया। उन्हें सुंदर ताज पहनाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन श्रीमती निशा सिंह बघेल ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्रीमती किरण सिंह चंदेल, श्रीमती डॉ. कल्पना सिंह, श्रीमती अनुराधा सिंह गहरवार, श्रीमती प्रियंका सिंह



सहित संगठन की अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहीं। जिला संरक्षिका श्रीमती बिंदु सिंह, निशा सिंह, उपाध्यक्ष मनोमा सिंह, वर्षा सिंह, मंजुलता सिंह, आंचल सिंह, रश्मि सिंह, मंजू सिंह, रीना सिंह परिहार, सरिता सिंह, प्रियंका सिंह बघेल, मनीषा सिंह, रंजीता सिंह, संतोष सिंह, सावित्री सिंह, डॉ. रश्मि सिंह, विनीता सिंह, रितु सिंह, आरती सिंह, रानी सिंह, शालू सिंह, प्रीति सिंह चंदेल, श्रद्धा सिंह, आशिमा सिंह, संस्कृति सिंह, पूजा सिंह, रोमी सिंह एवं स्वाती सिंह सहित अन्य बहनों की सहभागिता रही। प्रदेश सचिव श्रीमती मीना सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि जो बहनें किसी कारणवश इस कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सकीं, वे आगामी

कार्यक्रमों में जरूर सहभागी बनें। उन्होंने कहा कि संगठन की ओर से भविष्य में भी इसी प्रकार सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे। कार्यक्रम के समापन अवसर पर जिलाध्यक्ष कुमकुम सिंह बघेल ने सभी पदाधिकारी, सदस्यगण एवं अतिथियों का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने सभी को सावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संगठन की एकता, सामाजिक सहभागिता और महिला सशक्तिकरण के लिए सभी का निरंतर सहयोग आवश्यक है। सावन मिलन उत्सव ने महिलाओं के बीच आपसी स्नेह, सौहार्द और सामाजिक एकता को और मजबूत करने का संदेश दिया।



ख़बर संक्षेप



संगीत प्रेमियों द्वारा किया गया संगीतमयी

कार्यक्रम का आयोजन

कोतमा। नगर के संगीत प्रेमियों द्वारा शनिवार को अटल चौपाटी में सुनहरी यादें संगीतमयी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शाम से शुरू हुए इस सांजीतिक कार्यक्रम में हिंदी सिनेमा के स्वर्णिम दौर के लोकप्रिय गीतों की मधुर धुनों ने माहौल को यादगार बना दिया। स्थानीय कलाकारों ने महान पाश्र्वगायकों मुकेश, मोहम्मद रफी, किशोर कुमार, लता मंगेशकर और आशा भोसले के सदाबहार गीतों की प्रस्तुतियां देकर श्रोताओं को पुराने दौर की स्वर्णिम यादें से जोड़ दिया। आयोजन में बाहर से भी कलाकार आमंत्रित किए गए थे। कार्यक्रम में मंजोन सोनी, संजय सरफा, सदीप शिवदरे, शरद समुद्रे, आमीन वारसी, प्रकाश शिवहरे, बुजकिशोर, अनिश अहमद, लकी जैन, हरि ओम, सोनू, अमन, आरती, आफरीन, सचिन तिवारी, नीलेन्द्र तिवारी, पंकज मोटवानो सहित अन्य कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियां दीं। सुनहरी यादों के माध्यम से कलाकारों ने अपनी पसंद के गीत प्रस्तुत किए। मुकेश के दह्दमेरे नगमों से लेकर रफी की सुरतीनी आवाज, किशोर कुमार के रोमांटिक और मस्तीभरे गीतों के साथ लता मंगेशकर व आशा भोसले के लोकप्रिय गीतों ने उपस्थित श्रोताओं का मन मोह लिया। नगर में संगीत से जुड़े रहने वाले कलाकार उमाशंकर नामदेव, शिवकुमार गुप्ता, सजन तोमर, गोविंद शीतपाल, रवि गुप्ता सहित अन्य लोगों के निधन पर श्रद्धांजलि दी गई।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर निकली ‘संडे ऑन साइकिल’ रैली



अनूपपुर। राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष में खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा रविवार को अनूपपुर में ‘संडे ऑन साइकिल’ साइकिल रैली का आयोजन किया गया। रैली के माध्यम से नागरिकों को नियमित व्यायाम, स्वस्थ जीवनशैली, फिटनेस और ईंधन बचत का संदेश दिया गया।रैली का शुभारंभ उत्कृष्ट खेल मैदान अनूपपुर से मुख्य अतिथि पूर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष धीरेन्द्र सिंह ने किया। इस अवसर पर समाजसेवी भाववान सिंह, अंबिकेश सोनी, शासकीय कल्या माध्यमिक विद्यालय बस्ती के प्रधानाध्यापक अजय कुमार प्रसाद सहित खेल प्रशिक्षक, पीटीआइ, शिक्षक, खेलप्रेमी, वरिष्ठ नागरिक एवं प्रतिभागी उपस्थित रहे। साइकिल रैली उत्कृष्ट खेल मैदान से प्रारंभ होकर इंदिरा चौक, पुराने तहसील कार्यालय के पास हुआ जहाँ जिला व्या्यालय के समीप पहुंचीं, जहां इसका समापन किया गया। इस दौरान प्रतिभागियों ने ‘साइकिल चलाइए, डीजल-पेट्रोल बचाइए’, ‘साइकिल चलाइए, स्वस्थ रहिए’, ‘फिटनेस का डोज-एक घंटा रोज’ तथा हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद अमर रहें जैसे नारों से लोगों को जागरूक किया। मुख्य अतिथि धीरेन्द्र सिंह ने कहा कि साइकिल चालना स्वास्थ्य के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण और ईंधन की बचत के लिए भी महत्वपूर्ण है। प्रधानाध्यापक अजय कुमार प्रसाद ने कहा कि राष्ट्रीय खेल दिवस पर आयोजित यह रैली मेजर ध्यानचंद की स्मृति को समर्पित है। ऐसे आयोजनों से युवाओं में खेल और फिटनेस के प्रति जागरूकता बढ़ती है। ‘फिट इंडिया, स्वस्थ इंडिया’ की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के लिए इस तरह के कार्यक्रम निरंतर होने चाहिए। कार्यक्रम का संचालन विकासखंड समन्वयक एवं युवा कल्याण विभाग जैतहरी, स्टेट रेफर्री एवं वेशनल ट्रेनर वॉलीबॉल तथा जिला वॉलीबॉल संघ के सह-सचिव विनेश कुमार सिंह चंदेल ने किया। आयोजन में जिला खेल प्रशिक्षक एवं जिला वॉलीबॉल संघ के सचिव रामदास खंदेल, विकासखंड समन्वयक पुष्पराजगढ़ खेलन प्रसाद कोल, पूजन सिंह श्याम, पीटीआइ मंगलता राठौर, पोषण कुमार आर्य, धनीराम बनवासी सहित शिक्षक, खेलप्रेमी एवं प्रतिभागियों का सहयोग रहा। आयोजन कलेक्टर रत्नाकर झा, पुलिस अधीक्षक विक्रान्त मुरारि, जिला पंचायत सईईओ अर्चना कुमारी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं प्रमारी जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी जगन्नाथ चंदेल, अपर कलेक्टर बलवीर रमन सहित प्रशासनिक अधिकारियों के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। अंत में विनेश कुमार सिंह चंदेल ने सभी अतिथियों, अधिकारियों, प्रतिभागियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

अनूपपुर, कोतमा, बिजुरी, अमरकंटक, राजेन्द्रगाम, जैतहरी

हरिभूमि

10

किरगी जल प्रदाय योजना में ठेकेदार की हिटलरशाही बदस्तूर जारी

हक मांगने पर आदिवासी पंप ऑपरेटरों को बनाया बंधक

कोरे स्टॉप व नोटरी पर कराए

जबरन हस्ताक्षर

अनूपपुर। किरगी जल प्रदाय योजना में कार्यरत आदिवासी श्रमिकों द्वारा न्यूनतम मजदूरी, बकाया वेतन और पीएफ की मांग करने पर कंपनी प्रबंधन द्वारा उन्हें बंधक बनाकर डराने-धमकाने का गंभीर मामला सामने आया है। आरोप है कि 29 अगस्त को कार्यालय में 9 आदिवासी पंप ऑपरेटर्स को कई घंटों तक बंधक रखकर 50 के स्टॉप पेपर एवं अन्य दस्तावेजों पर जबरन दस्तखत कराए गए हैं। नौकरी से निकालने की धमकी देकर मनमाने तरीके से नोटरी कराने की तैयारी की जा रही थी जिसमें 2 पंप ऑपरेटरो के जबरन हस्ताक्षर करवाए गए है, जिसे लेकर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराने की गुहार लगाई गई है। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिला अंतर्गत राजेंद्रग्राम क्षेत्र में किरगी जल प्रदाय योजना के तहत वर्ष 2018 से सेवाएं दे रहे आदिवासी श्रमिकों का शोषण लगातार गहराता जा रहा है। जब श्रमिकों ने संगठित होकर अपने विधिक अधिकारों, न्यूनतम वेतन और ओवरटाइम भुगतान के संबंध में संबंधित अधिकारियों को आवेदन दिया, तो निजी कंपनी के जिम्मेदारों ने वैधानिक समाधान निकालने के बजाय दमनकारी रास्ता अख्तियार कर लिया है। 29 अगस्त को दोपहर 1 से 4 बजे के बीच श्रमिकों को योजना कार्यालय में बुलाकर कमरे में बंधक जैसी स्थिति में रखा गया। आरोप है कि प्रबंधन से जुड़े अधिकारियों ने कमजोर आर्थिक और सामाजिक पृष्ठभूमि का फायदा उठाकर दबाव बनाया और नौकरी छीनने का भय दिखाकर सादे स्टॉप पर हस्ताक्षर करवाए है। इस सुनियोजित कृत्य के जरिए कंपनी भविष्य में श्रमिकों की आवाज



दबाने और जाली दस्तावेज तैयार करने की फिराक में है, जिससे पूरे क्षेत्र और मजदूर संगठन में रोष व्याप्त है।

50 के स्टॉप पेपर पर जबरन हस्ताक्षर और नोटरी करवा कूटरचना की आशंका
कार्यालय में बंधक बनाए गए श्रमिकों से बिना किसी विधिक प्रक्रिया और सहमति के 50 के स्टॉप पेपर तथा पीएफ दस्तावेजों पर जबरिया दस्तखत करवाए गए है। श्रमिकों का आरोप है कि उन्हें इन कागजातों की सामग्री पढ़ने तक नहीं दी गई है। उन्हें गंभीर अंदेशा है कि इन हस्ताक्षरित स्टॉप पेपरों पर कंपनी मनगढ़ंत शर्तें जोड़कर कूटरचित अनुबंध या घोषणा पत्र तैयार करेगी, जिससे भविष्य में उनके वैधानिक श्रम अधिकारों का पूरी तरह हनन हो जाएगा।



चिकित्सक की गैरमौजूदगी में कर्मचारियों ने किया

इलाज महिला की मौत के बाद आशीर्वाद अस्पताल सील

अनूपपुर। जिला मुख्यालय में जैतहरी रोड स्थित आशीर्वाद अस्पताल में चिकित्सक की अनुपस्थिति के बावजूद कर्मचारियों द्वारा मरीजों का उपचार किए जाने का मामला सामने आया है। उपचार के दौरान एक महिला की मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग ने अस्पताल का निरीक्षण किया। जांच में गंभीर अनियमितताएं मिलने पर अस्पताल को तत्काल प्रभाव से बंद कर सील कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ पुलिस बल भी मौजूद रहा। जानकारी के अनुसार छिल्या निवासी फुलमत चौधरी, पति बिक्रनु चौधरी की दो दिन पहले आशीर्वाद अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई थी। महिला को गंभीर हालत में अस्पताल लाया गया था। आरोप है कि चिकित्सक की मौजूदगी के बिना ही अस्पताल स्टाफ ने उसे भर्ती कर उपचार शुरू कर दिया। महिला की मौत के बाद मामले को जानकारी स्वास्थ्य विभाग को मिली, जिसके बाद मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अलका तिवारी के नेतृत्व में टीम ने अस्पताल का निरीक्षण किया। रविवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अस्पताल के विभिन्न वार्डों का निरीक्षण कर भर्ती मरीजों की स्थिति की जानकारी ली। इस दौरान चार मरीज भर्ती मिले। इनमें दो मरीज चिकित्सक की अनुपस्थिति में उपचाररत थे, जबकि सामान्य बीमारी से पीड़ित दो अन्य मरीजों को रविवार को ही भर्ती किया गया था। जांच में सामने आया कि अस्पताल में उपचार के लिए नियुक्त चिकित्सक जिले से बाहर था और मरीजों के उपचार के लिए कोई जिम्मेदार चिकित्सक मौजूद नहीं था। इसके बाद सामान्य बीमारी से पीड़ित दो मरीजों को घर भेज दिया गया, जबकि गंभीर रूप से बीमार दो मरीजों को बेहतर उपचार के लिए जिला स्वास्थ्यसालय में भर्ती कराया गया। स्वास्थ्य विभाग की जांच में यह तथ्य भी सामने आया कि 25 अगस्त को जिम्मेदार चिकित्सक की मौजूदगी के बिना तीन मरीजों का डायलिसिस किया गया था। विभाग ने अस्पताल में उपलब्ध चिकित्सकीय व्यवस्थाओं और उपचार संबंधी दस्तावेजों की भी जांच की।

एसईसीएल की लापरवाही से बैरिहा गांव में जलभराव

रामपुर बटुरा मेगा प्रोजेक्ट में ग्रामीणों का आरोप

ढोला डालकर बनाई गई

पुलिया के नीचे पानी का बहाव

हुआ बाधित

ग्रामीणों के घरों और रास्तों में

भर रहा पानी, आवागमन में

गारी परेशानी

अनूपपुर। रामपुर बटुरा मेगा प्रोजेक्ट क्षेत्र में ग्राम बैरिहा के ग्रामीणों ने एसईसीएल प्रबंधन पर गंभीर लापरवाही और ग्रामीणों की समस्याओं की अनदेखी करने का आरोप लगाया है। ग्रामीणों का कहना है कि परियोजना क्षेत्र में निर्माण कार्यों के दौरान पानी की निकासी की उचित व्यवस्था नहीं किए जाने के कारण बारिश का पानी गांव की ओर जमा होने लगा है। इससे ग्राम बैरिहा में जलभराव की स्थिति निर्मित हो रही है और लोगों को आने-जाने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों के अनुसार, गांव के समीप पानी की निकासी के लिए ढोला डालकर पुलिया के नीचे पानी के पर्यांत बहाव की व्यवस्था नहीं होने के कारण बरसात का पानी तेजी से निकल नहीं पा रहा है। नतीजतन पानी आसपास के क्षेत्र में फैलकर गांव की ओर पहुंच रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि यदि समय रहते जल निकासी की व्यवस्था दुरुस्त नहीं की गई तो आने वाले दिनों में समस्या और गंभीर हो सकती है।

जल निकासी बाधित होने से बड़ी परेशानी

ग्राम बैरिहा के ग्रामीणों का कहना है कि



सामान्य बारिश के दौरान भी पानी जमा होने की समस्या सामने आ रही है। कई स्थानों पर रास्तों पर पानी भर जाने से ग्रामीणों को पैदल आने-जाने में परेशानी होती है। दोपहिया वाहन चालकों और बुजुर्गों को विशेष कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि बच्चों को भी स्कूल आने-जाने में परेशानी होती है। ग्रामीणों का आरोप है कि रामपुर बटुरा मेगा प्रोजेक्ट के चलते क्षेत्र में बड़े स्तर पर निर्माण एवं खनन गतिविधियां चल रही हैं, लेकिन परियोजना से प्रभावित गांवों में मूलभूत सुविधाओं और जल निकासी जैसी आवश्यक व्यवस्थाओं पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि विकास परियोजना का उद्देश्य क्षेत्र का विकास होना चाहिए, लेकिन यदि उसी परियोजना के कारण ग्रामीणों को जलभराव और आवागमन जैसी समस्याओं से जूझना पड़े तो यह चिंता का विषय है।

पुलिया की क्षमता बढ़ाने की मांग

ग्रामीणों ने मांग की है कि ढोला डालकर

की स्थिति सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि यह पानी वैतरणी नदी के माध्यम से आगे जाकर नर्मदा नदी में मिल रहा है। ऐसे में अमरकंटक जैसे पवित्र तीर्थ स्थल की जलधाराओं और प्राकृतिक पर्यावरण की स्वच्छता पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। रामघाट स्थित सुलभ शौचालय के सामने सीवर चॉंबर से निकल रहे गंदे पानी के कारण समीप चल रहे शिव रुद्र महायज्ञ एवं भोजनालय में आने-जाने वाले श्रद्धालुओं को भी काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। धार्मिक आयोजन के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की आवाजाही रहती है, ऐसे में सीवर के पानी और उससे उठती दुर्गंध से धार्मिक वातावरण भी प्रभावित हो रहा है। सबसे चिंताजनक स्थिति यह है कि तेज बारिश के दौरान कई बार बाहर बहता पानी सामान्य बरसाती पानी अथवा पाताल तोड़ पानी समझकर पर्यटक, तीर्थयात्री और भक्त श्रद्धालु उसके पास हाथ-पैर और मुंह धोने लगते हैं। यदि यह पानी वास्तव में सीवर का दूषित पानी है तो इससे संक्रमण और स्वास्थ्य संबंधी खतरे की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

टैंक खाली कराने के बाद भी

भर रहा सीवर का पानी

स्थानीय स्तर पर जानकारी के अनुसार रामघाट स्थित सुलभ शौचालय के टैंक को खाली कराया जा चुका है, लेकिन इसके बावजूद सीवर लाइन का पानी पुनः उक्त



अंजुमन इस्लामिया कमेटी अनूपपुर ने किया विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन 10वीं-12वीं पास विद्यार्थियों को बांटी गई स्टेशनरी

एसईसीएल से जवाबदेही

की मांग

ग्रामीणों का कहना है कि रामपुर बटुरा मेगा प्रोजेक्ट में करोड़ों रुपये की गतिविधियां संचालित हो रही हैं, ऐसे में प्रभावित गांवों के लोगों की मूलभूत समस्याओं का समाधान करना भी प्रबंधन की प्राथमिकता होनी चाहिए। ग्रामीणों ने मांग की है कि एसईसीएल के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचकर स्थिति का निरीक्षण करें और ग्रामीणों के साथ चर्चा कर स्थायी समाधान निकालें। बैरिहा के ग्रामीणों का कहना है कि वे विकास कार्यों के विरोधी नहीं हैं, लेकिन विकास के नाम पर गांव के लोगों को जलभराव, खराब रास्तों और आवागमन की समस्या का सामना नहीं करना चाहिए। ग्रामीणों ने स्पष्ट किया कि यदि पानी की निकासी के लिए उचित व्यवस्था नहीं की गई तो बरसात के दौरान स्थिति और बिगड़ सकती है। फिलहाल ग्रामीणों की मांग है कि प्रशासन और एसईसीएल प्रबंधन संयुक्त रूप से मौके का निरीक्षण कर पानी के बहाव की वास्तविक स्थिति की जांच करें तथा पुलिया और जल निकासी व्यवस्था में आवश्यक सुधार कराएं। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान होने तक उनकी परेशानी समाप्त नहीं होगी।

हक की मांग पर दफ्तर में बंधक बनाकर डराने का आरोप

किरगी जल प्रदाय योजना में वर्षों से सेवा दे रहे 9 आदिवासी श्रमिकों ने जब अपने बकाया वेतन और न्यूनतम मजदूरी की मांग को लेकर लिखित शिकायत दर्ज कराई, तो उन्हें समाधान देने के बजाय प्रताड़ित किया गया है। 29 अगस्त को दोपहर 1 बजे से शाम 4 बजे तक उन्हें किरगी कार्यालय में जबरन रोककर रखा गया था। अधिकारियों ने बंद कमरे में दबाव बनाते हुए स्पष्ट धमकी दी कि यदि उन्होंने विरोध बंद नहीं किया तो उन्हें तत्काल नौकरी से बेदखल कर दिया जाएगा।

गैरकानूनी तरीके से नोटरी कराने की तैयारी में निजी कंपनी

शिकायत में यह बड़ा खुलासा हुआ है कि श्रमिकों से दबाव में लिए गए हस्ताक्षरों के आधार पर कंपनी प्रबंधन

अब अवैध तरीके से जबरन दबाव डाल कर नोटरी करवाने के प्रयास में जुटा है जिसमें 2 पंप ऑपरेटरो से अभी तक दबाव में हस्ताक्षर करवा लिए गए हैं। बिना श्रमिकों की उपस्थिति और स्वतंत्र सहमति के इन दस्तावेजों को कानूनी जामा पहनाने की साजिश रची जा रही है। पीड़ितों ने पुलिस से मांग की है कि किसी भी प्रकार की फर्जी नोटरी और छेड़छाड़ की निष्पक्ष जांच हो तथा मूल स्टॉप पेपर को तुरंत जब्त किया जाए।

आदिवासी श्रमिकों की मजबूरी का फायदा उठाकर दोहरा शोषण

पीड़ित पंप ऑपरेटर अनुसूचित जनजाति वर्ग से आते हैं और बेहद कमजोर आर्थिक पृष्ठभूमि से संघर्ष कर रहे हैं। ठेकेदार कंपनी प्रबंधन द्वारा उनकी इसी लाचारी का अनुचित लाभ उठाया जा रहा है। श्रमिकों का कहना है कि उनकी जातिगत और सामाजिक स्थिति को निशाना बनाकर लगातार

अपमानित किया गया और डराया-धमकाया गया है। इस मामले में पुलिस से मांग की गई है कि मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए एससी/एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत भी सख्त जांच की जाए और कार्यवाही की जाए।

पुलिस से एफआईआर, मूल दस्तावेज जब्ती और सुरक्षा की मांग

श्रमिकों ने राजेंद्रग्राम थाना प्रभारी को विस्तृत लिखित आवेदन सौंपकर बीएनएस और संबंधित श्रम कानूनों के तहत तत्काल एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। पीड़ितों ने जबरन हस्ताक्षरित 50 के मूल स्टॉप पेपर को तुरंत पुलिस अभिरक्षा में लेने और सभी श्रमिकों के पृथक बयान दर्ज करने का आग्रह किया है। साथ ही शिकायत के बाद कंपनी या ठेकेदार द्वारा काम से निकाले जाने और अन्य प्रताड़ना से विधिक सुरक्षा उपलब्ध कराने की गुहार लगाई है।

नर्मदा नदी में मिल रहा सीवर का गंदा और बदबूदार पानी, श्रद्धालुओं और पर्यटकों को परेशानी

अमरकंटक की सीवर लाइन हुई अस्त-व्यस्त



टैंक में भर रहा है। इससे स्पष्ट है कि समस्या केवल टैंक की नहीं बल्कि सीवर लाइन की समग्र व्यवस्था से जुड़ी हुई है। बताया जा रहा है कि वर्षाकाल में बड़ी मात्रा में बरसाती पानी सीवर लाइन के चैंबरों में प्रवेश कर रहा है। इससे सीवर लाइन पर अतिरिक्त दबाव बन रहा है और कई स्थानों पर चैंबर ओवरफ्लो होकर गंद पानी सड़कों एवं खुले मैदानों में छोड़ रहे हैं। स्थिति यह है कि सीवर का दूषित पानी बरसाती पानी के साथ मिलकर प्राकृतिक जलधाराओं की ओर बह रहा है।

कोटितीर्थ घाट-कुंड मार्ग पर भी यही स्थिति

कोटितीर्थ घाट-कुंड के बगल से जाने वाले मार्ग पर पुल के समीप भी आए दिन सीवर चॉंबर से तेज रफ्तार में पानी निकलने की स्थिति सामने आती है। यह पानी सीधे नर्मदा नदी की ओर प्रवाहित हो रहा है। यदि

समय रहते इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया तो आने वाले समय में इसका प्रभाव नर्मदा नदी के पर्यावरणीय स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। अमरकंटक वह पवित्र भूमि है जहां से मां नर्मदा की उद्गम धारा प्रवाहित होती है। धार्मिक मान्यताओं में नर्मदा को मोक्षदायिनी और पुण्यदायिनी नदी का दर्जा प्राप्त है। देशभर से श्रद्धालु यहां नर्मदा स्नान, पूजन, दर्शन और परिक्रमा के लिए पहुंचते हैं। ऐसे महत्वपूर्ण तीर्थ स्थल पर सीवर का दूषित पानी नर्मदा नदी में पहुंचना न केवल पर्यावरणीय दृष्टि से गंभीर विषय है, बल्कि धार्मिक आस्था से भी जुड़ा हुआ मामला है।

स्थानीय नागरिकों और श्रद्धालुओं ने नगर परिषद प्रशासन से मांग की है कि सीवर लाइन की तत्काल तकनीकी जांच कराकर लाइन-जहां लीकेज, चॉबर ओवरफ्लो अथवा लाइन जाम हो रही है, उसे युद्धस्तर पर दुरुस्त कराया जाए। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि बरसाती पानी और सीवर का पानी अलग-अलग निकासी व्यवस्था से होकर जाए तथा किसी भी परिस्थिति में दूषित पानी नर्मदा नदी अथवा उसकी सहायक जलधाराओं में न पहुंचे। अब आवश्यकता केवल अस्थायी सफाई की नहीं, बल्कि अमरकंटक की सीवर व्यवस्था के स्थायी और वैज्ञानिक समाधान की है, ताकि मां नर्मदा की पवित्रता, तीर्थ नगरी की गरिमा और श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य की रक्षा सुनिश्चित की जा सके।